हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 18 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 18.5 डिग्री

13 अनाज मंडी में बाजरा बेचने वाले किसानों की सुविधा के लिए आगामी सप्ताह का शेड्यूल जारी



14 क्रॉस कंट्री दौड़ के वरिष्ठ में अर्जन सदन और अधीनस्थ में कारगिल सदन बना ओवरऑल विजेता



खबर संक्षेप

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। कसोला थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर पुलिस ने गत 2 अक्टूबर को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ति ने लाठी-डंडों से मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने कसोला निवासी बलबीर और संजय को गिरफ्तार कर लिया। जांच में शामिल करने के बाद आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसों के आरोपी दो चालक काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर हादसों के बाद फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। खोल थाना पुलिस ने जैसलमेर हाइवे पर हादसा होने के बाद गत 16 अगस्त को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के पाटन निवासी मोहरसिंह को गिरफ्तार कर लिया। कसोला थाना पुलिस ने हादसे के बाद 23 सितंबर को दर्ज मामले में यूपी के आगरा निवासी मोहम्मद आशिद को गिरफ्तार किया है। उसके ट्रक को भी कब्जे में लिया गया है।

कोर्ट से घोषित पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने लगभग डेढ़ साल से फरार चल रहे एक पीओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट में चल रहे एक मामले में झज्जर के मांडोठी निवासी रविंद्र तारीख पर पेश नहीं हो रहा था। बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी वह कोर्ट के समक्ष हाजिर नहीं हुआ, तो कोर्ट ने उसे पीओ घोषित करते हुए उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर गत वर्ष 6 मार्च को केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी रविंद्र को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश करते हुए जेल भेज दिया।

दहेज प्रताड़ना के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को तंग करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विवाहिता सुमन की शिकायत के आधार दोनों पक्षों के बीच राजीनामा कराने के प्रयास किए थे। बार-बार काउंसलिंग के बाद भी उनमें समझौता नहीं हुआ, तो पुलिस ने गत 3 सिंतबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद उनिंदा निवासी मोहित को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद से रिहा कर दिया गया।

नकदी व जेवरात लेकर महिला घर से फरार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा की एक कॉलोनी में रह रही मूल रूप से राजस्थान की महिला घर से नकदी व जेवरात लेकर अपनी 5 साल की बेटी सहित लापता हो गई। पति की शिकायत पर रामपुरा थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला व बच्ची की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में राजस्थान के नीमराना के एक गांव निवासी युवक ने बताया कि वह कुछ समय पहले ही रामपुरा क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने के लिए परिवार सहित आया था। 16 अक्टूबर को वह किसी काम से बाहर गया हुआ था। वापस आने पर उसे घर पर उसकी पत्नी और बच्ची नहीं मिली। घर का सामान चेक करने पर 1 लाख रुपये और सभी जेवरात गायब मिले। आसपास काफी पूछताछ करने पर उसकी पत्नी का कोई पता नहीं चला। उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद मां-बेटी का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

लालच में आकर जाल में फंसने का सिलसिला जारी, लगभग हर रोज दर्ज हो रहे साइबर ठगी के मामले

जागरूकता का पाठ पढ़ने में पास लोग जीवन में लागू करने में फेल

लगातार हो रहे ठगी के शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर ठगी से बचने के लिए पुलिस विभाग की ओर से लगातार जागरूकता का पाठ पढाया जा रहा है। लोग जागरूकता का पाठ पढ़ने में रूचि को दिखाते हैं, लेकिन इसे जीवन में लागू करने में लगातार फेल साबित हो रहे हैं। माइंड गेम में फंसाकर साइबर ठग लोगों को जमकर ठगी का शिकार बना रहे हैं। एक सप्ताह में ही लगभग हर दिन ठगी का एक मामला दर्ज हुआ है, जबकि शिकायतों की संख्या सैकड़ों में है।

साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में शिव कॉलोनी निवासी बुद्धप्रकाश ने बताया कि फेसबुक के माध्यम से उसकी पहचान अदिति शर्मा नाम की महिला से हुई थी। बातचीत के दौरान महिला ने उसे ट्रेडिंग करने के लिए एक लिंक भेजा। पीड़ति ने 18 अगस्त को लिंक पर रजिस्ट्रेशन कर 10 हजार रुपये से ट्रेडिंग शुरू की। शुरूआत में उसे 23 अगस्त को 11320 रुपये की राशि निकालने में सफलता मिली, जिससे उसे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर भरोसा हो गया। इसके बाद महिला और ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के कस्टमर केयर के निर्देश पर उसने अधिक मुनाफे के लालच में रकम निवेश करनी शुरू कर दी। पीड़ति के अनुसार, उसने एचडीएफसी बैंक खाते से 4.60 लाख रुपये तथा यूको बैंक खाते से 14 लाख रुपये अलग-अलग ट्रांजैक्शन के माध्यम से जमा किए। इस प्रकार उसने कुल 18.60 लाख रुपये बताए गए ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निवेश कर दिए। अधिक रकम लगाने पर ज्यादा मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाकर उसे लगातार निवेश के लिए प्रेरित किया गया। ट्रेडिंग खाते में उसकी रकम की वैल्यू बढ़ीकर लगभग 54.55 लाख रुपये दिखाई देने लगी। जब उसने अपनी राशि निकालने का प्रयास किया तो कस्टमर केयर की ओर से 50 लाख रुपये से अधिक की राशि पर 18 प्रतिशत टीडीएस के नाम पर 981818 रुपये जमा कराने को कहा गया। इसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ।



रेवाड़ी। पुलिस लाइन स्थित साइबर थाना परिसर। फोटो : हरिभूमि

मोबाइल हैक कर 1.39 लाख उड़ाए

शक्तिनगर निवासी नितेश कुमार ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह एक कंपनी में नौकरी करता है। गत 13 अक्टूबर को अचानक उसका मोबाइल फोन हैक हो गया। उसने फोन को बंद करने के बाद चालू किया, तो कुछ समय बाद ही उसके बैंक खातों से 95 हजार और 44 हजार रुपये कटने के मैसेज आए। साइबर ठगों ने उसके दो बैंक खातों से 1.39 लाख रुपये दूसरे खातों में ट्रांसफर कर लिए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस संबंधित बैंक खातों का पता लगाने के प्रयास कर रही है।

परिचित बनकर एक लाख का चूना

बोडिया कमालपुर निवासी विक्रम सिंह ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसके पास गत 9 अक्टूबर को अनजान नंबरों से फोन आया था। फोन करने वाले खुद को उसका भांजा बताते हुए कहा कि उसके परिचित की मां बीमार है। उसे पैसों की आवश्यकता है। आवाज मिलती-जुलती होने के कारण उसने 1 लाख रुपये बताए गए नंबरों पर ट्रांसफर कर दिए। बाद में भांजे से संपर्क करने पर उसे ठगी का पता चला।

बैंक कर्मचारी को भी बनाया शिकार

बीदावास निवासी ओमप्रकाश ने साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि वह बैंक में कार्यरत है। उसके पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को उसका ममेरा भाई बताते हुए कहा कि उसका बेटा अस्पताल में भर्ती है और उसे पैसों की जरूरत है। अचानक आई इस कॉल पर भरोसा कर ओमप्रकाश ने जल्दबाजी में अपने चार बैंक खातों से कुल 1 लाख 17 हजार रुपये संबंधित व्यक्ति के बताए गए खातों में भेज दिए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज कर लिया।

सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव



लोगों को साइबर ठगों के प्रति सचेत रहने के लिए बार-बार कहा जाता है। इसके बावजूद लोग अनजान नंबरों से आने वाली कॉल्स की वास्तविकता जांचे बिना झांसे में आकर ठगी का शिकार बन जाते हैं। अनजान नंबरों से आने वाले कॉल्स को नजरअंदाज करना चाहिए। सतर्कता से ही साइबर से बचाव संभव है।
-दीपिका अग्रवाल, एडिशनल एसपी।

पुलिस ने बैंक डिटेल के आधार पर उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की

रोडवेज में कार्यरत रालियावास निवासी नरेंद्र ने बताया कि 26 सितंबर को उसका मोबाइल फोन हैक हो गया था। इसके बाद उसके भारतीय स्टेट बैंक के खाते से दो ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 73 हजार रुपये निकाल लिए गए। खाते से पहली ट्रांजेक्शन के जरिए 30 हजार रुपये निकाले गए, दूसरी ट्रांजेक्शन के जरिए 43 हजार रुपये निकालकर उसे 73 हजार रुपये की ठगी का शिकार बना दिया। पुलिस ने बैंक डिटेल के आधार पर उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

फोन-पे करने के बाद नकदी गायब

पुलिस शिकायत में दखोरा निवासी बताया कि उसने पंप से पेट्रोल डलवाने के बाद फोन-पे से 800 रुपये का भुगतान किया था। उसके खाते में इसके बाद 17 रुपये का बैलेंस दिखाया गया। बैंक में पूछताछ करने पर पता चला कि उसके खाते से 98888 रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर किए गए हैं। इससे पहले उसका मोबाइल फोन हैक हो गया था, जिसके बाद साइबर ठगों ने उसे ठगी का शिकार बना दिया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज कर लिया।

सड़क किनारे खड़े ट्रक में घुसा दूसरा ट्रक

केबिन में फंसने से चालक की दर्दनाक मौत



रेवाड़ी। हादसे के बाद धारूहेड़ा बस स्टैंड फ्लाईओवर के पास पड़ा क्षतिग्रस्त ट्रक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

धारूहेड़ा बस स्टैंड फ्लाईओवर के पास शनिवार सुबह दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में टक्कर मारने वाले ट्रक का चालक बुरी तरह केबिन में फंस गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद दूसरे ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। हादसे के बाद काफी देर तक हाइवे पर जाम लगा रहा। शुक्रवार की रात जयपुर से दिल्ली के लिए चला धातु की प्लेटों से भरा हुआ एक ट्रक फ्लाईओवर के पास सड़क किनारे खड़े रोड़ियों से भरे ट्रक में घुस गया। रोड़ियों का ट्रक खराब होने के कारण चालक उसे ठीक कराने के लिए मैकेनिक को बुलाने के लिए गया हुआ था। जयपुर की ओर आ रहे एक ट्रक ने सड़क किनारे खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि पीछे चल रहे ट्रक का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। चालक केबिन में ही बुरी तरह फंस गया। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से केबिन उखाड़कर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुका था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।

अजमेर का रहने वाला था चालक

हादसे का शिकार होने वाला ट्रक चालक राजस्थान के अजमेर निवासी 30 वर्षीय अर्जुन था। पुलिस की सूचना पर दोपहर बाद उसके परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। दूसरे ट्रक चालक पर केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी। दूसरी ओर हादसे के बाद कुछ देर तक सड़क पर जाम जैसे हालात बने रहे। पुलिस ने दोनों ट्रकों को क्रेन की मदद से सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

पैरोल पर आए आदतन अपराधी की स्कॉर्पियो से मिला रिवाल्वर व 6 कारतूस, एक दिन के रिमांड पर

■ पुलिस संदिग्ध दो आरोपियों को पहले ही बाउंड कर चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर थाना पुलिस ने गत 28 सितंबर की रात को पैरोल पर आए एक आदतन शातिर अपराधी की गाड़ी से रिवाल्वर और जिंदा कारतूस बरामद करने के बाद मामले में संलिप्त मुख्य आरोपी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुनील निवासी धारूहेड़ा चुंगी व भीमसिंह निवासी गांव बालियर कलां के रूप में हुई है। पुलिस की ओर से अन्य संदिग्ध दो आरोपियों को पहले ही बाउंड किया जा चुका है। जांचकर्ता ने बताया की गत 28 सितंबर की रात्रि को करीब 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि धारूहेड़ा चुंगी निवासी सुनील, जो कि एक अपराधी किस्म का व्यक्ति है और इन दिनों पैरोल पर आया हुआ है तथा धारूहेड़ा चुंगी के पास एक निमार्णाधीन मकान में कुछ संदिग्ध साथियों के साथ मौजूद है और किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना पर सीआईए रेवाड़ी व थाना शहर पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। निमार्णाधीन मकान की घेराबंदी कर जांच की गई, जहां सुनील के साथ अन्य संदिग्ध व्यक्ति मौजूद मिले।

तलाशी के समय आरोपी फरार हो गया

पुलिस ने मौके पर खड़ी वेंटो और स्कॉर्पियो के बारे में पूछताछ की गई। स्कॉर्पियो गाड़ी सुनील की तथा वेंटो विकास की बताई गई। तलाशी के समय आरोपी सुनील गाड़ी की चाबी देकर मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम ने सुमित निवासी आबू मोहल्ला जिला भिवानी व विकास निवासी गांव जमालपुर जिला गुरुग्राम की उपस्थिति में आरोपी सुनील की स्कॉर्पियो गाड़ी की तलाशी ली तो एक रिवाल्वर और एक आर्म्स लाइसेंस बरामद हुआ। रिवाल्वर को चेक करने पर 6 जिंदा कारतूस मिले। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को थाने में खड़ा करा दिया और आरोपी सुमित व विकास को बाउंड किया है। जांच में सामने आया कि बरामद आर्म्स लाइसेंस भीम सिंह निवासी गांव बालियर कलां के नाम पर रजिस्टर्ड है। आरोपी सुनील ने गैरकानूनी रूप से किसी दूसरे का लाइसेंसी हथियार अपने कब्जे में रखा हुआ था और लाइसेंसधारक भीम सिंह ने अपना हथियार खुद सुनील को मुहैया कराया था। इस प्रकार दोनों ने मिलकर आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत जुर्म किया था। जिस पर थाना शहर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू की गई थी। पुलिस ने शुक्रवार को मामले में संलिप्त मुख्य आरोपी सुनील को अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही, हथियार उपलब्ध कराने वाले दूसरे आरोपी भीम सिंह को भी काबू कर लिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी सुनील को अदालत के समक्ष पेश कर पूछताछ के लिए 1 दिन के रिमांड पर लिया है।

भवाड़ी के अवैध तेल भंडारण के मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने गत 20 सितंबर को बावल रोड पर स्थित गांव भवाड़ी में चल रहे तेल के अवैध भंडारण और बिक्री के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला फरीदाबाद के बड़खल निवासी हनीफ खान के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत 20 सितंबर को पुलिस टीम ने गांव भवाडी में छापेमारी के दौरान मौके से लगभग 2100 लीटर पेट्रोल, 540 लीटर डीजल और 1300 लीटर केमिकल-थिनर सहित करीब 4000 लीटर तेल का जखीरा बरामद किया था। इसके साथ ही मौके से 22 खाली ड्रम और तेल परिवहन में इस्तेमाल की जा रही एक पिकअप गाड़ी को भी जब्त किया गया। पुलिस ने मामले में संलिप्त एक आरोपी जितेन्द्र निवासी गांव भवाड़ी को पहले गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शुक्रवार को एक और आरोपी जिला फरीदाबाद के बड़खल निवासी हनीफ खान को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।



कालाबाजारी के लिए ले जा रहे थे सिलेंडर पिकअप गाड़ी के साथ दो आरोपी पकड़े





रेवाड़ी। पकड़े गए सिलेंडर व गिरफ्तार आरोपी, बावल थाने में खड़ी पिकअप में सिलेंडर चैक करता पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बावल थाना पुलिस ने राजस्थान से धारूहेड़ा की ओर जा रही कुकिंग गैस सिलेंडरों से भरी एक पिकअप गाड़ी जब्त करने के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गाड़ी में कुकिंग गैस के 50 सिलेंडर भरे हुए थे, जिन्हें औद्योगिक एरिया में ब्लैक करने के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

पुलिस को सूचना मिली थी कि एक पिकअप गाड़ी में सिलेंडर भरकर राजस्थान से धारूहेड़ा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने साबन चौक फ्लाईओवर के पास नाकेबंदी करते हुए वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। सिलेंडरों से भरी एक गाड़ी पकड़ने के बाद पुलिस ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। अधिकारियों ने सिलडेंरो से संबंधित दस्तावेज मांगे, तो चालक व उसका सहयोगी दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। पुलिस ने चालक राजेश व सहयोगी विनय को काबू कर लिया। आरोपियों के खिलाफ ईसी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

औद्योगिक क्षेत्रों में डिमांड ज्यादा

औद्योगिक कस्बा बावल, धारूहेड़ा और राजस्थान के भिवाड़ी में बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के लोग रोजगार के लिए आए हुए हैं। उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए गैस कनेक्शन लेना आसान नहीं होता, इसलिए कालाबाजारी करने वाले लोग इसका पूरा लाभ उठाते हैं। दीवाली पर्व करीब आने के कारण सिलेंडरों की मांग और बढ़ रही है, जिस कारण कालाबाजारी करने वाले लोग एक्टिव हो गए हैं।

भक्ति श्रद्धालुओं ने कतारों में लगकर माता के दर्शन किए व अपने परिजनों के लिए मन्नतें मांगी

सातवें नवरात्र पर श्रद्धालुओं ने की मां कालरात्रि की आराधना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शारदीय नवरात्रों के अवसर पर शनिवार को शहर के मंदिरों में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों में से सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। शहर के बारा हजारी स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी स्थित काली माता मंदिर, बड़ा तालाब स्थित मंसा माता मंदिर, नई बस्ती स्थित मंसा देवी मंदिर, सेक्टर-3 स्थित माता मंदिर, बारा पत्थर स्थित कालीमाता मंदिर, आर्य समाज रोड स्थित दुर्गामाता मंदिर सहित सभी मंदिरों में भारी भीड़ दिखाई दी।

ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में भी पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने कतारों में लगकर माता के दर्शन किए व अपने परिजनों के लिए मन्नतें भी मांगी। शहर के मुख्य बाजारों में नवरात्रों को लेकर काफी चहल-पहल दिखाई दे रही है। बारा हजारी में सर्वजननी दुर्गोत्सव समिति की ओर से मां बगुलामुखी का पांडाल सजाया गया है। माता की रोजाना आरती व पूजा की जा रही है। समिति की ओर से 20 अक्टूबर को विजयादशमी पर माता की शोभा यात्रा निकालकर प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।





रेवाड़ी। नवरात्र पर लाइटों से जगमग कालीमाता का मंदिर, बारा हजारी मंदिर में माता की ज्योत जलाते हुए श्रद्धालु।

कंजिकाओं का पूजन कर देंगे उपहार

नवरात्र की अष्टमी पर बहुत से व्रती अपने व्रतों का समापन करेंगे। मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने के बाद व्रती कंजिकाओं को भोजन कराकर पूजन करेंगे। श्रद्धालु कंजिकाओं को भोजन कराने की तैयारियों में जुटे हुए हैं। कंजिकाओं की व्यवस्था भी की जा रही है। श्रद्धालु अपनी हैसियत के अनुसार कंजिकाओं को उपहार भी देंगे। महिलाओं ने कंजिकाओं को भेंट देने के लिए अपनी खरीददारी भी कर ली है।

अष्टमी पर महागौरी को प्रसन्न करेंगे श्रद्धालु

मां दुर्गा के आठवें नवरात्रे पर रविवार को श्रद्धालु मां दुर्गा के 8वें स्वरुप मां महागौरी की पूजा अर्चना करेंगे। धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि महागौरी का रंग पूर्णतः गौर है। उनके गौर रंग की उपमा शंख, चन्द्र और कुंद के फूल से की गई है। मां के समस्त वस्त्र एवं आभूषण आदि भी श्वेत हैं, इनकी 4 भुजाएं हैं और इनका वाहन वृषभ है, मां के ऊपर के दाहिना हाथ अभय मुद्रा में और नीचे वाले दाहिने हाथ में त्रिशूल है तथा ऊपर वाले बाएं हाथ में डमरू और नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में हैं। मां की मुद्रा अत्यंत शांत है। कहा जाता है कि अपने पार्वती के रूप में मां महागौरी ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए बड़ी कठोर तपस्या की थी, जिसके कारण इनका शरीर एकदम काला पड़ गया था।

सीजेएम ने हिट एंड रन कमेटी को दिए दिशा निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. रेनू सोलखे के मार्गदर्शन में हिट एंड रन कमेटी की मीटिंग का आयोजन किया।

इस मौके पर डा. सोलखे ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार राजशेखरन वर्सेस यूनियन ऑफ इंडिया केस में दिए गए आदेशों को ध्यान में रखते हुए हिट एंड रन केसों के बारे में उचित दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम दलबीर सिंह, डीएसपी संजीव बल्हारा, तहसीलदार बावल महिमा, बीडीपीओ बावल शुभम, राजेश कुमार उप अधीक्षक व एसडीएम कार्यालय कोसली के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

■ ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर



बिजनेस डेस्क

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।

त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक

लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी

मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच

बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।



खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।



एसआईपी पर भरोसा बरकरार

सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा

निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

ये फंड चमके

सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मिडकैप फंड में निवेश 6,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपये पहुंच गया। दोनों श्रेणियों में निवेश बढ़ना बताता है कि निवेशकों की दिलचस्पी अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव वाली कंपनियों में बनी हुई है। स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में गिरावट का जोखिम भी अधिक रहता है। बाजार में कमजोरी आने पर इन फंडों के मूल्य में तेज गिरावट संभव है। इसलिए केवल अधिक निवेश आने के आंकड़े देखकर इनमें पैसा लगाना उचित नहीं है। निवेशक को अपनी जोखिम सहने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

फ्लेक्सीकैप व लार्जकैप में भी सुधार

फ्लेक्सीकैप फंड में सितंबर के दौरान शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ रुपये पहुंच गया। अगस्त में यह आंकड़ा 5,059 करोड़ रुपये था। फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इस वजह से इनका निवेश दायरा व्यापक होता है, हालांकि इनसे भी बाजार संबंधी जोखिम जुड़े रहते हैं। लार्जकैप फंड में भी निवेशकों की वापसी देखने को मिली। अगस्त में इन फंडों से 1,147 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि सितंबर में 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन्हें स्मॉलकैप फंडों की तुलना में अपेक्षाकृत कम जोखिम वाला माना जा सकता है, लेकिन बाजार गिरने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है।

कुल संपत्ति में गिरावट

इक्विटी फंड में निवेश बढ़ने के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति सितंबर में घटकर 82.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। अगस्त में यह 87.08 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह एक महीने में करीब 4.44 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसका एक बड़ा कारण डेट म्यूचुअल फंड में भारी शुद्ध निकासी रही। सितंबर में डेट फंड से 1.83 लाख करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि अगस्त में इनमें 8,127 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। इसके अलावा, बाजार के मूल्यांकन में बदलाव भी कुल संपत्ति के आंकड़े को प्रभावित कर सकता है। इसलिए म्यूचुअल फंड की कुल संपत्ति में गिरावट को केवल इक्विटी निवेशकों के भरोसे में कमी के रूप में देखना सही नहीं होगा।

जोखिम का आकलन जरूरी

सितंबर के आंकड़े नियमित निवेश के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखाते हैं, लेकिन निवेश का फैसला केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं होना चाहिए। सबसे पहले आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत रखें और महंगे कर्ज को प्राथमिकता से चुकाने की योजना बनाएं। इसके बाद अपने वित्तीय लक्ष्य के अनुसार निवेश की अवधि तय करें। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन फंड की श्रेणी चुनते समय जोखिम क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।



स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें : लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

विविधीकरण से संभालें जोखिम : फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

40:60 की रणनीति अपना सकते हैं : यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है; इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन

दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया

बिजनेस डेस्क

तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ



त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।

मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।

उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।

खबर संक्षेप

पॉक्सो एक्ट के बारे में किया जाएगा जागरूक



रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश संगीता राय सचदेव अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में जिले में सुरक्षित बचपन अभियान चलाया जाएगा। डा. रेनू सोलखे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से चलाए जा रहे सुरक्षित बचपन अभियान, जोकि पॉक्सो एक्ट 2012 के बारे में जागरूकता, सुरक्षा एवं संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए है।

रामलीला संस्कृति को जीवंत रखने का माध्यम

रेवाड़ी। नई अनाजमंडी में चल रही श्री शिव रामलीला समिति की रामलीला के छठे दिन राम-भरत मिलाप, सूर्पनखा की नाक काट काटना, खर-दूषण संहार और रावण की ओर से सीता हरण की योजना बनाने के दृश्यों का मंचन किया गया। भरत की ओर से गाए गए भजन करू बार-बार विनती, घर चलिए रघुराई..भजन पर व भरत-मिलाप का दृश्य देखकर दर्शकों की आंखे नम हो गई। लक्ष्मण ने सूर्पनखा की नाक काटकर खर-दूषण का संहार किया। जब रावण को इस बात का पता चला तो उसने सीता हरण की योजना बना डाली। रामलीला का शुभारंभ मुख्यातिथि विधायक व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह यादव ने किया।

उत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

रेवाड़ी। शहीद रामस्वरूप राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंवाली में चल रहे दो दिवसीय जिला स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव का समापन हो गया। कार्यक्रम कल्चरल फेस्ट डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर अशोक नामवाल के प्रभार, खंड शिक्षा अधिकारी, खोल सत्यवीर नाहड़िया के मार्गदर्शन तथा हरियाणा ऑफिसर्स एसोसिएशन के जिला प्रधान व प्राचार्य अनिल यादव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डीईईओ प्रदीप दहिया, अति विशिष्ट अतिथि के डीपीसी संतोष तंवर, विशिष्ट अतिथि के रूप में डिप्टी डीईओ राजेन्द्र यादव व अरविंद यादव तथा डा. दुष्यंत यादव बीईओ ने शिरकत की।

19 से 24 अक्टूबर तक निर्धारित शेड्यूल के अनुसार होगी खरीद

बाजरा बेचने वाले किसानों की सुविधा के लिए अगले सप्ताह के शेड्यूल जारी



रेवाड़ी। रेवाड़ी अनाजमंडी में लगी बाजरे की ढेरियां। फोटो : हरिभूमि

तय शेड्यूल के अनुसार अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचें किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/कोसली

अनाजमंडी में फसल की खरीद को सुचारू रूप से संचालित करने और किसानों को परेशानी से बचाने के लिए मार्केट कमेटी रेवाड़ी व कोसली की ओर से आगामी सप्ताह के लिए गांववार साप्ताहिक शेड्यूल जारी किया गया है। शेड्यूल के अनुसार 19 से 24 अक्टूबर तक अलग-अलग गांवों के किसान निर्धारित दिनों में अपनी फसल मंडी में लेकर आ सकेंगे।

इस दिन खरीदी जाएगी इन गांवों की उपज

कोसली मंडी में 19 अक्टूबर को धारौली, लिलोढ़, गादला, कोसली, खुशपुरा, नाहड़, कटोपुरी, मोहदीनपुर, तुम्बाहेड़ी, दड़ौली, दहीना, सुर्खपुर, गोठड़ा टप्पा डहिना, जखाला, मुरलीपुर, गुरावड़ा व कंवाली, 20 अक्टूबर को सुमाखेड़ा, कान्हड़वास, गोरिया, बहोतवास भोंडु, कुमरोधा, फतेहपुरी, नेहरुगढ़, मंढोला, सीधा, झाल, शादीपुर, लोहाना व बालधन, 21 अक्टूबर को सुधराना, चौकी नंबर-2, भाकली, बेरली, बाबड़ौली, साल्हावास, बिसोहा, टूमना, काहड़ी, अम्बोली, बहाला, रोहड़ाई, बव्वा, बाबेपुर, जटवाड़ा, लुखी, बिटौड़ी, गुड़ियानी, लिसान, मसीत, दखौरा व बैहरमपुर, 22 अक्टूबर को गुजरवास, जाहिदपुर, दिढौली, ढोकिया, झाड़ौदा, झोलरी, कारोली, जुड्डी, परखोत्तमपुर, धनिया, लड़ायन, खुर्शीदनगर, जैतपुर, भडंगी, ढाणी ठेठराबाद, गुरावड़ा गुगोढ, अहरोद व आशियाकी गोरावास, 23 अक्टूबर को नयागांव जाटों वाला, नठेड़ा, सुरेहली, मुमताजपुर, लाला, कोहारड़, जैनाबाद, बोहका, रामपुरी, औलांत, हांसावास, रतनथल, बास, बुड़ौली, श्यामनगर, गोपालपुर गाजी व बिठला तथा 24 अक्टूबर को राधा की ढाणी, गढ़ी, मुंदड़ा, उष्मापुर, सैदपुर, चांग, जीवड़ा, करावरा मानकपुर, खालेटा, लुला अहीर, शहादतनगर, ढाणा, मुरथला, श्रीनगर, कोलाना की ढाणी, निमोठ, चान्दनवास व गोठड़ा के किसान मंडी में अपना बाजरा बिक्री के लिए ला सकते हैं।

रेवाड़ी अनाजमंडी का शेड्यूल

रेवाड़ी मंडी में 19 अक्टूबर को रेवाड़ी, चिताड़ूंगरा, बवाना गुर्जर, टीट, कुंडल, हरजीपुर, ढाणी सांतो, रोलियावास, आलियावास, माखरिया, राजपुरा ईस्तमुरार, धामलावास, तिहाडा, आनंदपुर, बगथला, साल्हावास, पांचौर, डवाना व सांपली, 20 अक्टूबर को गोबिन्दपुरी, आराम नगर, कनुका, भांडौर, पुंसिका, नंगली गोधा, राजियाकी, गोलियाकी, गुमीना, खेडी मोतला, मुकुंदपुर बसई, धामलाका, जांटी, जाटूवास, जलियावास, ड्योढई, राजपुरा खालसा, धामलावास, पिथड़ावास, ढोकिया, डूमावास, गांगोली, घुड़कावास व बावल, 21 अक्टूबर को शेखपुर, नांगल शबाजपुर, खिजूरी (बावल), अलावलपुर (बावल), नंगली परसापुर, ढुलहेडा कलां, ढुल्हेडा खुर्द, बिंदावास, जयसिंहपुर खेडा, चित्रपुरी, हुसैनपुर, खरखड़ी भीवा, दाना आलमपुर, नारायणपुर, लालपुर, बेरवाल, बधराना व प्रागपुरा, 22 अक्टूबर को झांझनवास, पीवरा, पोखरपुर, कुतुबपुर मौला, कुतुबपुर जागीर, राजपुरा खालसा, रसूली, श्रीनगर, कुमरोथा, मायण, बिटोडी, सांझरवास, चांदूवास, रामसिंहपुरा, कसौला, कसौली, कान माजरा, कालूवास, धारण व मोहम्मदपुर, 23 अक्टूबर को बिशनपुर, नांगल उगरा, नांगल तेजू, साबन, हरचंदपुर, कालडावास, मैरामपुर भडंगी, खरखरी, आसरा का माजरा, राजगड, माजरी दूढ़ा, रूद्ध, चिरहाडा व नरसिंहपुर गढी तथा 24 अक्टूबर को ओढी, खेडी धरचाना, रणसी माजरा, खुरमपुर, गुर्जर माजरी, कमालपुर (बावल), खेडी डालूसिंह, केशवपुर, सैदपुर उर्फ जैतपुर, महरागपुर, भगवानपुर (बावल), रसियावास, जलालपुर, गोबिन्दपुर (बावल), चौकी नंबर-1, सुठानी व सुठाना गांवों के किसान अपनी फसल मंडी में ला सकेंगे।

मार्केट कमेटी सचिवों की किसानों से अपील

रेवाड़ी मार्केट कमेटी के सचिन नरेन्द्र सिंह व कोसली मार्केट कमेटी के सचिव विकास यादव किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे जारी शेड्यूल के अनुसार ही अपनी फसल मंडी में लेकर आएं, ताकि खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सकें और उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने अपना रजिस्ट्रेशन मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर कराया हुआ है तथा ई-खरीद पोर्टल पर वैरिफाई है, केवल वही किसान अनाज मंडी में अपना बाजरा लेकर आएं।



रेवाड़ी। आईजीयू में रक्तदान करते युवा। फोटो : हरिभूमि

रक्तदान समाज के प्रति हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी

■ आईजीयू में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 30 लोगों ने किया महादान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में युवा रेड क्रॉस एवं छात्र कल्याण विभाग की ओर से रेवाड़ी ब्लड सेंटर के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि रक्तदान जैसे पुनीत कार्य समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी और मानवता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र का आधार होती है और जब विद्यार्थी ऐसे सामाजिक व मानवीय सरोकारों से जुड़ते हैं तो एक स्वस्थ व संवेदनशील समाज का निर्माण होता है। कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने कहा कि रक्तदान मानव जीवन बचाने वाला सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान समाज के प्रति सेवा, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है तथा ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इनका रहा योगदान

कार्यक्रम में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. करण सिंह, निदेशक युवा कल्याण प्रो. अदिति शर्मा तथा सहायक निदेशक युवा कल्याण डा. सुशांत यादव ने सहयोग दिया। युवा रेड क्रॉस की कार्यक्रम समन्वयक प्रो. समृद्धि के मार्गदर्शन में का संचालन किया गया, जिसमें वाईआरसी काउंसलर डॉ. प्रियंका रंगा, डॉ. पवन कुमार व डॉ. नवनीत कौशल ने योगदान दिया। ब्लड सेंटर की ओर से सुनील शर्मा के नेतृत्व में मनीषा, कपिल यादव, सोनू यादव, जतिन यादव, प्रिंस व आकाश की मेडिकल टीम ने रक्त संग्रहण एवं तकनीकी व्यवस्था में सहयोग दिया।

विधायक अनिल यादव ने किया सवा करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के विधायक अनिल यादव ने शनिवार को गांव चौकी नंबर 2 में 1.25 करोड़ रुपए की लागत से कराए गए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। उन्होंने गांव के बाबा जोहड़ वाले आश्रम में आयोजित हुए धार्मिक समारोह में भी शिरकत की। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव एवं कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा है। सरकार दक्षिण हरियाणा के विकास पर पूरा ध्यान दे रही है। उन्होंने कल्याणकारी योजनाओं जैसे लाडो लक्ष्मी योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना आदि का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने गांव में बनाए गए पक्के रास्तों, चौक, आंगनबाड़ी केंद्र के नवीनीकरण आदि कार्यों का शुभारंभ किया। इस मौके पर पंचायत समिति जाटूसाना की चेयरमैन सरोज देवी, वाइस चेयरमैन विक्रम सिंह, मंडल अध्यक्ष सविता, प्रवीन कुमार, सोनू सरपंच, दिनेश, पवन, राजीव, शिवचरण शर्मा, राहुल व योगेश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।



रेवाड़ी। विकास कार्यों का उद्घाटन करते हुए विधायक अनिल यादव।

टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना समय की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

कृषि महाविद्यालय बावल में विश्व खाद्य दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। विश्व खाद्य दिवस का विषय आज नवाचार करें, कल पोषण दें रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. सत्यजीत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और मानव स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से जैविक एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थों के महत्व को समझने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे भोजन की बर्बादी को रोकने के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने में भी अपनी भूमिका निभाएं। पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने खाद्य सुरक्षा, पौष्टिक आहार, खाद्य अपव्यय में कमी, और सुरक्षित भोजन जैसे विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने खाद्य सुरक्षा, स्वस्थ जीवनशैली, और खाद्य अपव्यय की रोकथाम में य वाओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। भाषण प्रतियोगिता में योगिता ने प्रथम, तनीश ने द्वितीय तथा प्रमिला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में यशिका ने प्रथम, तनीश ने द्वितीय तथा सुमिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।



रेवाड़ी। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

भोजन में मौसमी फल व सब्जियों को करें शामिल

उन्होंने विद्यार्थियों को अपने दैनिक आहार में मौसमी फलों एवं सब्जियों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया और बताया कि मौसमी फल एवं सब्जियां पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत होती हैं। उन्होंने खाद्य पदार्थों के उचित संरक्षण के माध्यम से खाद्य अपव्यय को कम करने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम का समन्वय डा. अनिल कुमार सिरोहा ने किया। कार्यक्रम में डा. पूजा, डा. प्रवीण शर्मा, डा. प्रीति, डा. राहुल, डा. योगेश कुमार, डा. चरण सिंह सेखों, डा. अभिषेक भोला व डा. हरीश एम एस सहित कॉलेज के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डा. मुकेश कुमार सह निदेशक छात्र कल्याण ने विद्यार्थियों को खाद्य संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी।

विद्यार्थियों ने विज्ञान के मॉडल किए प्रदर्शित

■ सरवन इंटरनेशनल स्कूल में हुई साइंस फिएस्टा कम पीटीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

नंगली परसापुर रोड स्थित सरवन इंटरनेशनल स्कूल में साइंस फिएस्टा कम पीटीएम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता एवं नवाचार की भावना विकसित करने के साथ-साथ अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक प्रगति से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विज्ञान से संबंधित विभिन्न आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विज्ञान प्रदर्शनी में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण, आधुनिक तकनीक तथा दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व जैसे विषयों पर आधारित मॉडलों ने अभिभावकों का ध्यान आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने अपने-अपने मॉडल्स की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। बच्चों के आत्मविश्वास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रस्तुतीकरण कौशल की अभिभावकों ने सराहना की। इस अवसर पर आयोजित पीटीएम में शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन, व्यवहार एवं सर्वांगीण विकास को लेकर चर्चा की। साथ ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया।



रेवाड़ी। प्रदर्शनी में अपना मॉडल दिखाते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

ऐसे आयोजन बढ़ाते हैं बच्चों का आत्मविश्वास

प्रधानाचार्य तथा संचालिका आशा यादव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, तार्किक क्षमता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान एवं जीवनोपयोगी कौशल से भी समृद्ध बनाना है। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों का योगदान रहा।

आरपीएस में हुई रंगताली डांडिया नाइट



महेंद्रगढ़। आरपीएस स्कूल में नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में भव्य डांडिया नाइट 'रंगताली' का आयोजन बेहद धूमधाम, गरिमा और हर्षोल्लास के साथ किया गया। देर शाम तक चले इस सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम में गुजराती गानों की मधुर धुनों, दूधिया रोशनी से नहाया पंडाल, डांडिया की खनक और पारम्परिक परिधानों से सजा प्रांगण एक अलौकिक उत्सव के रूप में नजर आया। रंगताली में अतिथियों का स्वागत चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रोफेसर पायल चंदेल ने शिरकत करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से युवाओं एवं भावी पीढ़ी को जोड़ने में मील का पत्थर साबित होते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका की वाइस चेयरमैन मंजू कौशिक, पूर्व चेयरमैन रीना गर्ग, प्रोफेसर रेनू व अध्यक्षता चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने की। आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि विद्यालय केवल शैक्षणिक ज्ञान का केंद्र नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और सांस्कृतिक संवर्धन की भी एक महत्वपूर्ण प्रयोगशाला है। वहीं, ग्रुप के डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि एकजुटता, अनुशासन और कलात्मकता का ऐसा संगम ही आरपीएस ग्रुप की वास्तविक पहचान और शक्ति है। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने अतिथियों, प्रबंधन समिति, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

विधायक ने दूर करवाई बिजली की समस्या



महेंद्रगढ़। क्षेत्र के पांच गांवों के किसानों के लिए लंबे समय से बनी बिजली की समस्या का समाधान हो गया है। विधायक कंवर सिंह यादव के प्रयासों से बिजली विभाग ने बवानिया गांव से आ रही बिजली लाइन पर निर्भर गांवों को देवास स्थित नए बिजली पावर हाउस से जोड़ने की दिशा में कार्य करते हुए देवास से मेघनवास चौक तक करीब तीन किलोमीटर लंबी नई बिजली लाइन बिछाने का काम पूरा कर दिया है। इस कार्य के पूरा होने के बाद किसानों को पर्याप्त बिजली और बेहतर वोल्टेज मिलने लगी है। इससे क्षेत्र के किसानों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों के अनुसार पहले इन पांच गांवों के किसानों को बवानिया गांव से बिजली आपूर्ति की जाती थी। इस लाइन के माध्यम से पर्याप्त बिजली नहीं मिल पाने और कम वोल्टेज की समस्या के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कम वोल्टेज के चलते कृषि कार्य प्रभावित हो रहे थे और किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने में भी दिक्कतें आती थीं। किसानों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए विधायक कंवर सिंह यादव ने मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों से बातचीत की। विधायक ने बिजली विभाग के एक्सईएन से कहा कि पांचों गांवों की बिजली आपूर्ति को बवानिया से हटाकर देवास के नए बिजली पावर हाउस से जोड़ा जाए, ताकि किसानों को पर्याप्त बिजली और उचित वोल्टेज मिल सके। इस पर बिजली विभाग के एक्सईएन ने विधायक को आश्वासन दिया कि समस्या का समाधान एक सप्ताह के भीतर कर दिया जाएगा।

अब प्रदेश के प्रत्येक परिवार को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए चिरायु आयुष्मान भारत योजना का व्यापक विस्तार किया गया है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार की इस पहल के तहत अब 1.80 लाख रूपए से अधिक वार्षिक आय वाले परिवार भी नाममात्र का वार्षिक प्रीमियम देकर योजना का लाभ उठा सकेंगे। डीसी ने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्रता परिवार पहचान-पत्र में दर्ज सत्यापित वार्षिक आय के आधार पर तय की जाएगी और पात्र परिवारों को प्रदेश के सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रति वर्ष 5 लाख रुपए तक का निशुल्क एवं कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना को पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए आय स्लैब के अनुसार प्रीमियम दरें निर्धारित की गई हैं। इसके तहत 1.80 लाख रुपए से 3 लाख रुपए वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए 1500 रुपए प्रति वर्ष, 3 लाख से 6 लाख रुपए आय वर्ग के लिए 4000 हजार रुपए प्रति वर्ष तथा 6 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए 5000 रुपए प्रति वर्ष का प्रीमियम तय किया गया है।



महाराजा अग्रसेन की जयंती पर हुआ कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम

अग्रवाल सभा ने युवाओं व वरिष्ठ नागरिकों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

महाराजा अग्रसेन के 5180वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में अग्रवाल सभा कोसली की ओर से जेडी गार्डन समारोह में प्रतिभा सम्मान, वरिष्ठ नागरिक सम्मान, मातृ शक्ति सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की प्रतिभाओं, वरिष्ठ नागरिकों, युवा डॉक्टरों, सीए, इंजीनियरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईटीबीपी जाटूसाना के कमांडेंट निखिल जैन अपनी धर्मपत्नी मीनल जैन के साथ उपस्थित रहे।





रेवाड़ी। प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि व सभा के पदाधिकारी व कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य लोग।

विशिष्ट अतिथि के रूप में आईटीबीपी जाटूसाना के डिप्टी कमांडेंट अनूप गुप्ता ने अपनी धर्मपत्नी सुनैना गुप्ता के साथ शिरकत की। मुख्य अतिथि, सभा प्रधान तेजपाल गर्ग, संरक्षक सुभाष गर्ग, बसंत लोहिया तथा वरिष्ठ नागरिकों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि अखिल जैन ने महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों को आज की आवश्यकता बताया। विशिष्ट अतिथि अनूप गुप्ता ने कहा कि समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति की मदद होनी चाहिए। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोज गोयल गुड़ियानिया ने महाराजा अग्रसेन के जीवन एवं उनके आदर्शों और समाज को एकजुट रखने पर अपने विचार रखे।

प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज के 40 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को महाराजा अग्रसेन गौरव सम्मान और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित प्रतिभाओं में डा. रितेश गुप्ता, डा. प्रज्ञा मित्तल, दिव्या अग्रवाल, नवीन गोयल, कृष, लक्ष्य गर्ग, करुण्य गर्ग और भावना सहित अन्य विद्यार्थी शामिल रहे। इन विद्यार्थियों ने एमबीबीएस, पीजी, आईआईटी, एमएससी, पीएचडी और सीए जैसी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक उपलब्धियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह के दौरान राधेश्याम अग्रवाल व रोशन लाल मित्तल सहित अग्रवाल समाज के 40 वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण कवि सम्मेलन रहा, जिसमें हास्य कवि मास्टर महेंद्र सिंह, डा. त्रिलोकचंद, अटेली से संजय पाठक और अलवर से जितेंद्र भारद्वाज ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन दिनेश गोयल, ब्लॉक समिति सदस्य सुनील गर्ग, महेंद्र गर्ग, सुनील गोयल, अरुण गर्ग, विजय गर्ग, बृजमोहन बंसल, सुनील बंसल, मुकेश मंगला, पवन बंसल, जगदीश प्रसाद, मुकेश गोयल, सतीश गर्ग, ऋषि कुमार, प्रमोद गर्ग, राजेंद्र जड़ोदिया, शिवकुमार, रामनिवास लोहिया व रामचंद्र सहित अनेक अग्रबंधु मौजूद रहे।

सैनिक स्कूल में क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन, कैडेट्स ने दिखाया दमखम

क्रॉस कंट्री दौड़ के वरिष्ठ में अर्जन व अधीनस्थ में कारगिल सदन बना ओवरऑल विजेता

प्राचार्य ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी कैडेट्स को बधाई दी

■ प्रत्येक वर्ग के शीर्ष प्रतिभागियों को पदक व प्रमाण पत्र वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी





रेवाड़ी। दौड़ के विजेता सदन को ट्रॉफी प्रदान करते व सम्मानित करते प्राचार्य। फोटो : हरिभूमि

गांव गोठरा अहीर स्थित सैनिक स्कूल में शनिवार को क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। क्रॉस कंट्री दौड़ एक ऐसा खेल है, जिसमें टीमें और व्यक्ति प्राकृतिक भूभाग पर, खुले मैदानों में दौड़ लगाते हैं। आयोजन का उद्देश्य कैडेट्स की शारीरिक फिटनेस, दमखम, साहस और टीम वर्क की भावना को बढावा देना था। क्रॉस कंट्री जैसी प्रतियोगिताएं कैडेट्स को चुनौतियों का सामना करने, कठिन परिश्रम करने तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं। साथ ही, ये गतिविधियां भविष्य के सैन्य अधिकारियों में अपेक्षित नेतृत्व क्षमता, साहस, सहनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। रेस के वरिष्ठ वर्ग बॉयज कैडेट्स के सदनों के मध्य 8 किलोमीटर, कनिष्ठ वर्ग में 5 किलोमीटर तथा कनिष्ठतम वर्ग में 3 किलोमीटर लंबी क्रॉस कंट्री दौड़ आयोजित की गई। वहीं गर्ल्स कैडेट्स की वर्ग वार 5, 3 व 1.6 किलोमीटर की दौड़ रखी गई। मुख्य अतिथि विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने कनिष्ठ वर्ग के सदनों के मध्य 5 किलोमीटर लंबी दौड़ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल जय सिंह राठौड़ व उनकी धर्मपत्नी सीमा खींची, उप-प्राचार्या स्क्वाड्रन लीडर वंदना चौधरी व वरिष्ठ अध्यापक गजेंद्र सिंह चौहान भी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताओं से कैडेट्स में शारीरिक, मानसिक व सांवेगिक दृढ़ता विकसित होती है

प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से कैडेट्स में शारीरिक, मानसिक व सांवेगिक दृढ़ता विकसित होती है। उनमें अपने लक्ष्य के प्रति सामूहिक प्रयास का मूल्य संवर्धन भी होता है। प्राचार्य ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रभारी अध्यापक अरुण कुमार द्विवेदी व अरविंद कुमार भारद्वाज, हवलदार रमन थापा, हवलदार सूरज सिंह बिष्ट, क्वार्टर मास्टर मृत्युंजय पाण्डेय, एनसीसी स्टॉफ, शिक्षकों सहित मंच संचालक कैडेट हर्ष दलाल व कैडेट हीरल, क्रॉस कंट्री रेस कैडेट प्रभारी स्कूल खेल कप्तान कैडेट प्रेरित व सभी कैडेट्स को बधाई दी। उन्होंने जिला प्रशासन, जिला मुख्यचि कित्सा अधिकारी, खंड खोल थानाध्यक्ष व उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

ये रहे प्रतियोगिता के परिणाम

सभी वर्गों में कैडेट्स ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए उत्साह, जोश, उमंग के साथ सैन्य प्रशिक्षण, दृढ़ इच्छाशक्ति, मानसिक विकास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रदर्शन किया। वरिष्ठ वर्ग में कैडेट सिप्पू यादव ने प्रथम, कैडेट आकाशदीप ने द्वितीय व कैडेट प्रिंस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही कनिष्ठ वर्ग में कैडेट अनुज ने पहला, कैडेट कनिष्क ने दूसरा व कैडेट रवीशचंद्र ने तीसरा तथा कनिष्ठतम समूह से कैडेट आयांश आनंद ने प्रथम, कैडेट कुणाल ने द्वितीय व कैडेट युवराज ने तृतीय स्थान पर कब्जा किया। गर्ल्स की क्रॉस कंट्री स्पर्धा के वरिष्ठ वर्ग में कैडेट देवयानी, कैडेट रीतिका व कैडेट लक्ष्मी, कनिष्ठ वर्ग में कैडेट भावना, कैडेट दीप्ति व कैडेट अमीषा ने अपने-अपने समूह में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किए, वहीं कनिष्ठतम समूह से कैडेट शिखा ने प्रथम, कैडेट रिया ने द्वितीय व कैडेट दीया ने तृतीय स्थान पर कब्जा किया। वरिष्ठ सदनों के संयुक्त परिणाम के आधार पर अर्जन सदन क्रॉस कंट्री दौड़ का ओवरऑल विजेता बना। वहीं सुब्रोतो सदन को उप-विजेता घोषित किया गया। अधीनस्थ सदन कारगिल ने रेजांगला को पराजित कर विजेता ट्रॉफी प्राप्त की। प्राचार्य ने प्रत्येक वर्ग के शीर्ष प्रतिभागियों को पदक व प्रमाण पत्र वितरित किए। इसके साथ ही विजेता सदनों को क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप ट्रॉफी भी प्रदान की गई।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों के साथ अपने स्लोगन दिखाते हुए विद्यार्थी।

विद्यार्थियों ने नशे के विरुद्ध स्लोगन लिखे, सपना विजेता और पारुल बनी उपविजेता

■ नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत विषय पर पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से राजकीय महाविद्यालय खरखड़ा में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत विषय पर पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या दयावंती ने की, जबकि जिला युवा अधिकारी सुमित यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया गया। विशिष्ट अतिथि थाना प्रभारी धारूहेड़ा फूल कुमार ने युवाओं को इंटरनेट का सावधानीपूर्वक उपयोग करने, साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार की नशे की लत से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में युवाओं ने सांकेतिक संसद सत्र के माध्यम से पक्ष एवं विपक्ष की भूमिका निभाई। सांकेतिक संसद में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में प्रियांशी, चंचल, निक्की, साहिल, एकता, स्वाति, कोमल, अंजलि तथा सक्षम शामिल रहे। महाविद्यालय की एनएसएस प्रभारी मोना यादव के मार्गदर्शन में योग एवं मेडिटेशन सत्र का आयोजन भी किया गया। मेरा युवा भारत से यतिन चरण ने युवाओं को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत पोर्टल की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने स्लोगन लेखन गतिविधि के माध्यम से नशे के विरुद्ध अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में सपना ने प्रथम, पारुल ने द्वितीय तथा प्रियांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंच संचालन प्रोफेसर अमन ने किया, जबकि कार्यक्रम का समन्वय प्रोफेसर दीपक एवं मेरा युवा भारत से विनय राव ने किया।

रानी लक्ष्मीबाई सदन बना विजेता



हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

■ सैनी पब्लिक स्कूल में इंटर सदन विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

सैनी पब्लिक स्कूल में इंटर सदन विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा छठी से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें वीरेन, गर्व, काव्या, शिवानी सावित्री बाई फुले सदन, युवराज, अनिरुद्ध, खुशहाल, हर्षित रानी लक्ष्मीबाई सदन, दुष्यंत, चैतन्य, दिव्या, मानसी महाराजा शूर सैनी सदन और पीयूष, केशव,वंशिका व हिमांशु ज्योतिबा फुले सदन से शामिल थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रानी लक्ष्मीबाई सदन, दूसरे स्थान पर महाराजा शूर सैनी सदन तथा तीसरे स्थान पर ज्योतिबा फुले सदन रहा। सैनी सभा के प्रधान मनोज सैनी, नगर पार्षद चेतराम सैनी, सलाहकार समिति के चेयरमैन शशि भूषण सैनी, सैनी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन कैलाश सैनी, उपप्रधान राम सिंह सैनी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण सैनी व ओमप्रकाश सैनी सहित समस्त कार्यकारिणी एवं कॉलेजियम सदस्यों ने विजेता टीम को बधाई दी। प्राचार्या अनीता यादव ने सभी विद्यार्थियों को भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

पच्चीस हजार रुपये में बजा बुलेट बाइक का पटाखा, लगाया जुर्माना



रेवाड़ी। शहर में बुलेट बाइक से पटाखे बजाने वाले बाइकर्स पर ट्रैफिक पुलिस की कड़ी नजर है। इसी क्रम में शनिवार को ट्रैफिक पुलिस ने एक बाइक को इंपाउंड करते हुए उस पर 25 हजार रुपये जुर्माना ठोक दिया। बाइक की प्लेट से पंजीकरण नंबर भी गायब थे। नाईवाली चौक के पास एक बुलेट बाइक चालक ने पटाखा बजाया, तो वहां तैनात ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारियों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। बाइक के कागजात देखने के बाद पता चला कि बाइक 15 साल से भी ज्यादा पुरानी है। उसके पीछे की प्लेट पर नंबर भी नहीं लिखे हुए थे। पुलिस ने बाइक को इंपाउंड करते हुए उसका 25 हजार रुपये का चालान कर दिया। मियाज पूरी होने के कारण अब बाइक का छूटना आसान नहीं होगा। **अन्य बाइकों पर भी टेड़ी नजर** शहर में बड़ी संख्या में ऐसी बाइकों का संचालन हो रहा है, जिनकी 15 साल की मियाद पूरी हो चुकी है। ऐसे बाइक मालिक अपनी बाइकों को स्क्रैप यार्ड में ले जाकर स्क्रैप करा सकते हैं। ऐसा करने के बाद उन्हें नया वाहन खरीदते समय सरकार की ओर से कई तरह की रियायतें दी जा रही हैं, लेकिन अगर कोई स्क्रैप नहीं कराता है तो इंपाउंड करने के बाद उसकी बाइक कबाड़ घोषित कर दी जाएगी। इसके बाद नया वाहन खरीदने पर किसी तरह की छूट भी नहीं मिलेगी।

भारत विविधताओं का देश है और युवा देश की असली ताकतः नविता पंवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमाणी कॉलेज में शनिवार को नए शिक्षण सत्र के फ्रेशर छात्र-छात्राओं के स्वागत के साथ डांडिया सेलिब्रेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। स्वतंत्रता सेनानी आर डी सोमाणी और ज्ञान की देवी मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अकेडमिक हेड नविता पंवार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर बीबीए के सन्नी को मिस्टर फ्रेशर, जबकि गर्ल्स फामेर्सी करिश्मा को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। इस मौके अकेडमिक हेड नविता पंवार व प्रोफेसर रमेश कुमार ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और युवा देश की असली ताकत हैं। युवाओं को अपने अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानना चाहिए। कार्यक्रम में प्रो. जगबीर ढिल्लो, प्रो. आरती, प्रो. प्रीति यादव, प्रो. किरण, प्रो. वैशाली और प्रो. राहुल चौहान ने भी अपने विचार रखे। प्रो.आरती ने कहा कि यह आयोजन हरियाणा और गुजरात प्रदेश की संस्कृति से युवाओं को रूबरू कराने के लिए आयोजित किया गया। प्रोफेसर किरण और प्रीति यादव ने आयोजन को देश की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षण देने वाला बताया। इस मौके पर मिस्टर फ्रेशर और मिस्टर फ्रेशर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग प्रस्तुति दी।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में मिस फ्रेशर का सम्मान करते हुए।

धवाना की बणी में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

रेवाड़ी। शनिवार सुबह धवाना गांव की बणी में करीब 28 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद सामान्य अस्पताल से पोस्टमार्टम करा दिया। पुलिस फांसी पर लटकने के कारणों का पता लगा रही है। सुबह के समय गांव के लोगों ने बणी में पेड़ से लटका हुआ देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची थाना खोल पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मौके पर ही सीन ऑफ क्राइम टीम को भी बुलाया गया। मृतक की पहचान गांव के ही प्रदीप के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार मृतक शराब पीने का आदि था। अनुमान लगाया जा रहा है कि शराब के नशे में उसने फांसी लगाकर जान दे दी। मौत के कारणों का सही पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद चल सकेगा।

डॉ. आनंद शर्मा का प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस पद पर चयन

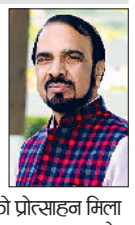

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के पूर्व सांस्कृतिक सलाहकार, रंगकर्मी एवं लेखक डा. आनंद शर्मा का चयन चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस पद पर हुआ है। परफॉर्मिंग आर्ट्स के क्षेत्र में उनके अनुभव एवं विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है। डा. शर्मा का इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के साथ उल्लेखनीय जुड़ाव रहा है। सांस्कृतिक सलाहकार के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला तथा विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर प्राप्त हुए। उनके मार्गदर्शन में विवि के विद्यार्थियों ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के नॉर्थ जोन युवा महोत्सव एवं राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भागीदारी करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। इन प्रयासों से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, मंचीय प्रस्तुति और सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति रुचि को बढ़ावा मिला। डा. शर्मा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के हिंदी विभाग तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने हिंदी विषय में डीलिट की उपाधि प्राप्त की है। डा. आनंद के चयन पर इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के पूर्व निदेशक, युवा कल्याण प्रो. रविंद्र कुमार तथा वर्तमान निदेशक युवा कल्याण डा. अदिति शर्मा ने बधाई दी।

नशा व साइबर अपराधों से दूर रहने की ली शपथ



रेवाड़ी। पुलिस के नशा मुक्ति और समाजिक जागरूकता की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने शनिवार को गवर्नमेंट कॉलेज गांव खरखड़ा में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर नशा मुक्ति टीम ने कहा नशा न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। युवा देश का भविष्य है, इसलिए उन्हें पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाकर नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहना चाहिए। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहका किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। विद्यार्थियों को यातायात नियमों की भी जानकारी दी गई। पुलिा टीम ने अपील करते हुए कहा कि यदि कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या आपातकालीन स्थिति हो तो तुरंत डायल 112 पर सूचना दें। कोई व्यक्ति नशा करता है या नशा बेचता है तो उसकी सूचना मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर करें। पुलिस टीम ने सभी विद्यार्थियों ने नशा और साइबर अपराधों से दूर रहने की शपथ भी दिलाई।

विद्यार्थियों को जीएसटी, बिलिंग, बैलेंस शीट व अकाउंटिंग के पहलुओं की दी जानकारी



बावल। राजकीय महाविद्यालय बावल में वाणिज्य विभाग की ओर से आयोजित टैली प्राइम सॉफ्टवेयर पर छह दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। कार्यशाला में गोल्डन ड्रीम कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर बावल के शपरमजीत विशेष प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डा. नमिता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, टैली जैसे अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का व्यावहारिक ज्ञान रोजगार के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होंगी। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग से डा. संतपाल व रेखा चोपड़ा उपस्थित रहे। कार्यशाला में छात्रों को जीएसटी, बिलिंग, इन्वेंटरी मैनेजमेंट, बैलेंस शीट एवं अकाउंटिंग के व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई।

स्वर्ण मृग के पीछे गए श्रीराम, लक्ष्मण रेखा लांघते ही रावण ने किया सीता हरण



रेवाड़ी। लोको शिव मंदिर ड्रामेटिक क्लब की रामलीला के दौरान सीता हरण प्रसंग का मंचन किया गया। सोने के मृग की मायावी लीला, राम की आवाज में लगाई गई मदद की पुकार और रावण के छलपूर्ण वेश ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। क्लब के निदेशक रामनारायण तंवर ने कहा कि मारीच ने सोने के मृग का रूप धारण कर माता सीता को आकर्षित किया। सीता की इच्छा पूरी करने के लिए भगवान राम मृग के पीछे चले गए। कुछ समय बाद मारीच ने राम की आवाज में भैया बचाओ, भैया बचाओ की पुकार लगाई। इसे सुनकर सीता चिंतित हो गईं और उन्होंने लक्ष्मण को भगवान राम की सहायता के लिए जाने का आग्रह किया। लक्ष्मण ने काफी समझाया, लेकिन सीता के बार-बार कहने पर उन्होंने कुटिया के बाहर लक्ष्मण रेखा खींची और उसे पार न करने की चेतावनी देकर वहां से चले गए। इसके बाद रावण साधु का वेश धारण कर कुटिया के बाहर पहुंचा। सीता साधु का अपमान नहीं करना चाहती थीं, इसलिए रावण के कहने पर वे लक्ष्मण रेखा पार कर बाहर आ गईं। इसी का लाभ उठाकर रावण ने अपनी मायावी शक्ति और छल से उनका हरण कर लिया। इस प्रसंग ने दर्शकों को मर्यादा, विश्वास और छल के परिणामों का सजीव संदेश दिया। रावण की भूमिका में राहुल चांवरिया और सीता के किरदार में संजय ने अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

रामलीला

जामवंत के याद दिलाने पर पवन वेग से उड़े पवनपुत्र

हनुमान ने लंका जलाई, सीता की चूड़ामणी देकर श्रीराम को दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेलवे कॉलोनी में श्री राम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब की ओर से उत्साह के साथ रामलीला उत्सव मनाया जा रहा है। शुक्रवार रात्रि आठवें दिन की रामलीला का उद्घाटन पं. मोहन लाल शर्मा के मंत्रोच्चारण व पूजन के बाद तारा चंद टोकस व अमरजीत सिंह ने किया। मंचन के दौरान वर्षा रितु बीत जाने के बाद सुग्रीव सारी सेना को चारों दिशाओं में सीता की खोज में भेजते है। हनुमान, जामवंत, अंगद व नल-नील को समुद्र किनारे पक्षीराज सम्पाति मिलते है, जो जटायु के भाई थे। वे सीता के लंका में होने की सूचना देते है, लेकिन प्रश्न यह उठता है कि समुद्र पार करके कौन जाएगा। तब जामवंत वीर हनुमान को उनके बल व पवन कुमार बनने की कहानी सुनाते है। इसके बाद हनुमान लंका पहुंचते है, जहां उनकी मुलाकात लंकनी से होती है, जो हनुमान का रास्ता रोकती है, लेकिन हनुमान उस को एक घूसा मरते है, जिसके लगते ही उसको नारद मुनि का वचन याद आता है कि जब हनुमान का घुसा लगेगा तो समझ लेना कि राक्षस कुल का विनाश शुरू हो गया है। हनुमान अशोक वाटिका में पहुंचकर सीता को प्रभु राम की अंगूठी देते है और अपने को राम का सेवक बताते है। भूख लगने पर हनुमान अशोक वाटिका के फल खाते हुए वाटिका को उजाड़ देते है। जब रावण को सूचना मिलती है तो वह अक्षय कुमार व मेघनाथ को भेजता है, लेकिन अक्षय कुमार मारा जाता है और मेघनाथ हनुमान को पकड़कर रावण दरबार में ले आता है, जहां रावण व हनुमान के बीच संवाद होते है और वह हनुमान की पूंछ में आग लगवा देता हैं, जिससे हनुमान सारी लंका को जला देते है। लंका से वापस लौटने से पहले हनुमान माता सीता से उनकी निशानी मांगते है। सीता हनुमान को अपनी चूड़ामणी देती है और संदेश देती है कि प्रभु एक महीने से अधिक समय न लगाए नहीं तो वे जीवित नहीं रहेंगी। हनुमान वापस लौटकर सारा वृतांत प्रभु राम को बताते है और सीता माता की चूड़ामणी देते हैं। रामलीला मंचन में राम का अभिनय दिवेश शर्मा, लक्ष्मण-मोहित यादव, सीता-सागर, सुग्रीव-भगत, जामवंत-मुकेश भारद्वाज, लंकनी-सतीश, हनुमान-उमेश शर्मा, अंगद-महेश कौशिक, रावण-मुकेश भारद्वाज, मंदोदरी-संजय सोनी, मेघनाथ-ब्रिजेश शर्मा, विभिषण-राजेश शर्मा, अक्षय कुमार-रोहित, नल-लक्ष्य कौशिक, नील-प्रियांशु सोनी, सम्पाति-नरेन्द्र गोयल, रावण का मंत्री-जगदीश शर्मा तथा राजाओं का रोल प्रिंस, हर्ष यादव, नीटू गोयल, जितेश व नवीन ने निभाया।





रेवाड़ी। लंका में हनुमान व रावण के संवाद का दृश्य तथा रावण को युद्ध के लिए ललकारते हुए हनुमान। फोटो : हरिभूमि

सीता को खोजते समय श्रीराम ने खाए शबरी के झूठे बेर



रेवाड़ी। श्री घंटेश्वर महादेव मंदिर आदर्श रामलीला के मंच पर शुक्रवार रात्रि सूर्पनखा रावण के दरबार में अपना दुखड़ा सुनाती है। रावण उसकी कटी नाक देखकर क्रोधित हो जाता है और मामा मारीच से मिल षड्यंत्र रचता है, जिसके बाद मामा मारीच स्वर्ण हिरण बनकर सीता का ध्यान आकर्षित करता है। राम-लक्ष्मण हिरण के पीछे चले जाते है और रावण साधु का वेश धरकर सीता का हरण कर लेता है। पक्षीराज जटायु उसे रोकने की कोशिश करते है तो रावण उसे घायल कर देता है। श्रीराम व लक्ष्मण सीता की खोज में जंगल-जंगल भटकते हैं तो घायल जटायु उन्हें रावण की करतूत बताता है और प्राण त्याग देता है। श्री राम का वर्षों से इंतजार कर रही शबरी से मिलते हैं, उसके झूठे बेर खाते हैं। इसके बाद श्रीराम की मुलाकात हनुमान से होती है। हनुमान श्रीराम को सुग्रीव से मिलाते हैं जो अपने भाई बाली का सताया हुआ है। श्रीराम सुग्रीव की मदद करने की शपथ लेते हैं और सुग्रीव सीता को ढूंढने में मदद देने की शपथ लेता है। इसके बाद श्रीराम बाली का वध कर देते है। मुख्य संरक्षक अशोक शर्मा, निर्देशक राजेश पंवार व सचिव याद के सुगंध ने बताया कि रामलीला ललित ने राम, रूपेश ने सीता, हिमांशु ने लक्ष्मण, विजय पंवार ने रावण, संजय ने सूर्पनखा, वैभव शर्मा ने हनुमान, मनीष सेन ने बाली, अमित कश्यप ने सुग्रीव, साहिल पंवार ने अंगद, दीपक यादव ने जामवंत व संजय जेमिनी ने जटायु का अभिनय किया।